भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

प्रेस विज्ञप्ति

18.08.2025 – अखिल भारत

एलआईसी दे रहा है बकाया (Lapsed) पॉलिसियों को पुनर्जीवित करने का उत्कृष्ट अवसर

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बकाया (Lapsed) पॉलिसियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक आकर्षक अवसर प्रदान किया है। व्यक्तिगत बकाया पॉलिसियों के पुनर्जीवन हेतु एक विशेष पुनर्जीवन अभियान दिनांक 18 अगस्त 2025 से 17 अक्टूबर 2025 तक चलाया जा रहा है।

इस योजना के अंतर्गत, सभी नॉन-लिंक्ड बीमा योजनाओं पर विलंब शुल्क (Late Fee) में 30% तक की छूट (अधिकतम ₹5000/- तक) दी जाएगी, यदि पॉलिसी इस योजना के अंतर्गत पुनर्जीवन हेतु पात्र है।

विलंब शुल्क पर रियायत का विवरण :

कुल देय प्रीमियम	विलंब शुल्क पर छूट %	अधिकतम छूट*
₹1,00,000 तक	30%	₹3000
₹1,00,001 से ₹3,00,000 तक	30%	₹4000
₹3,00,001 और उससे अधिक	30%	₹5000
माइक्रो इन्श्योरेन्स योजनाएँ	100%	पूर्ण छूट

*नियम एवं शर्तें लागू।

इस विशेष पुनर्जीवन अभियान के अंतर्गत, बकाया पॉलिसियों को प्रथम बकाया प्रीमियम की तिथि से 5 वर्षों के भीतर पुनर्जीवित किया जा सकता है, बशर्ते कि पॉलिसी की शर्तें पूरी की गई हों।

वे सभी पॉलिसियाँ, जो प्रीमियम भुगतान अवधि में बकाया स्थिति में हैं तथा जिनकी पॉलिसी अवधि पूरी नहीं हुई है, इस अभियान में पुनर्जीवित की जा सकती हैं।

चिकित्सा/स्वास्थ्य जाँच संबंधी आवश्यकताओं पर कोई छूट नहीं है।

यह अभियान उन पॉलिसीधारकों के हित में प्रारंभ किया गया है, जो प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण समय पर प्रीमियम का भुगतान नहीं कर पाए। बीमा का पूरा लाभ उठाने के लिए पॉलिसियों का चालू (Inforce) रहना आवश्यक है। पुरानी पॉलिसी को पुनर्जीवित कर बीमा कवर बहाल करना सदैव लाभकारी होता है। एलआईसी अपने पॉलिसीधारकों और उनके परिवार के सुरक्षित भविष्य के प्रति प्रतिबद्ध है। यह अभियान पॉलिसीधारकों को अपनी पॉलिसियों को पुनर्जीवित करने और अपने प्रियजनों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने का उत्तम अवसर प्रदान करता है।

मुंबई में दिनांक 18.08.2025 को जारी

अधिक जानकारी हेतु कृपया संपर्क करें : कार्यकारी निदेशक (नि.सं.)
भारतीय जीवन बीमा निगम, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई ईमेल: ed_cc@licindia.com
विजिट करें : www.licindia.in

हम मानते हैं कि यह समाचार आपके पाठकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। हम आपके आभारी होंगे यदि आप इसे शीघ्र प्रकाशित करें, साथ ही यह भी समझते हैं कि इसका प्रकाशन पूर्णतः आपके विवेक पर निर्भर करता है।